8 जनवरी, 2010 को लिलोंग्वे में भारतीय समुदाय द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति का अभिभाषण

मलावी की स्वतन्त्रता के पश्चात् भारत की ओर से इस सर्वप्रथम उच्च-स्तरीय दौरे पर यहाँ आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मेरी पत्नी और मैंने लिलोंग्वे के इस सुन्दर शहर में अपने आगमन से लेकर अब तक मलावी के राष्ट्रपति, डॉ. बिंगू वा मुथारिका और मलावी के लोगों द्वारा किए गए हार्दिक स्वागत और उनके स्नेहपूर्ण आतिथ्य का पूरा आनन्द लिया है। मेरा सम्पूर्ण शिष्टमंडल मेरे प्रति और हमारे देश के प्रति मधुर भावनाओं की इस अभिव्यक्ति से अभिभूत है। हमने मलावी झील की सैर का भी आनन्द लिया और हम इसके विशाल आकार और भव्यता से बहुत प्रभावित हुए। मेरी यात्रा पूरे अफ्रीकी महाद्वीप, विशेष रूप से मलावी के साथ उच्च-स्तरीय सम्बन्ध को बढ़ावा देने की भारत की वचनबद्धता और संकल्प की अभिव्यक्ति है।

देवियो और सज्जनो,

मलावी के साथ हमारे ऐतिहासिक सम्बन्ध हैं जो साझा मूल्यों और औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध हमारे संघर्ष के साझे अनुभव पर आधारित हैं। दोनों देश ऐसे बहुदलीय लोकतंत्र, बहुसांस्कृतिक और बहुधार्मिक समाज हैं जिनमें विधिसम्मत शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और मानवाधिकारों के लिए सम्मान है।

लोगों की आर्थिक स्थिति सुधारने और देश के समग्र विकास के लिए मलावी की सरकार और महामहिम राष्ट्रपति, श्री बिंगू वा मुथारिका के प्रयासों में भारत उन्हें हरसंभव सहायता मुहैया कराने के लिए वचनबद्ध है। आज भारत सरकार ने मलावी में आए कई भूकम्पों के कारण हुए जान-माल के नुकसान के बाद पुनर्वास के लिए आपात राहत के रूप

में 1 मिलियन अमरीकी डालर के अनुदान की घोषणा की है। इसके अलावा, हमने कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में मलावी के विकास में सहायता के लिए 4 मिलियन अमरीकी डालर के अनुदानों की भी घोषणा की है।

भारतीय समुदाय इस मित्र राष्ट्र में लगभग एक शताब्दी से रह रहा है और इसने मलावी के विकास और मलावी समाज के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने के विकास में बहुत हद तक योगदान दिया है। आप और अन्य प्रवासी भारतीय समुदायों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव तथा भारत के प्रति प्रेम के फलस्वरूप भारत सरकार ने प्रवासी भारतीयों के साथ सम्बन्धों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से और उनके कल्याण के लिए प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की है। यह मंत्रालय प्रवासी भारतीयों से संबंधित सभी मामलों हेतु सूचना, सहभागिता और सुविधा मुहैया कराता है।

सरकार ने आपकी भारत यात्रा और भारत के साथ पारस्परिक-सम्बन्ध को सुगम बनाने के लिए विदेशी भारतीय नागरिकता (ओ सी आई) योजना भी आरंभ की है। हम आपको इन प्रयासों का लाभ उठाने और भारत तथा मलावी के बीच आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा देने हेतु कार्य करने के लिए उत्साहित करेंगे। हमें कृषि, खनन, विद्युत, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी और लघु व मध्यम उद्यमों के क्षेत्रों में विद्यमान सहयोग की संभावना का दोहन करने के लिए प्रत्येक अवसर का उपयोग करना चाहिए और हरेक पहल करनी चाहिए।

विगत दो वर्षों की वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बाद, मुझे आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारतीय अर्थव्यवस्था फिर से पटरी पर आ रही है। हम अपने आर्थिक सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हमें पूरा विश्वास है कि आर्थिक संकट से पहले विद्यमान आर्थिक विकास दरों को हम पुन: प्राप्त कर लेंगे।

मैं आप सभी से मिलने के इस अवसर के लिए आपका बहुत आभारी हूं। मैं आप सभी को मलावी में आपके कार्य तथा प्रवास के लिए और दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों को मजबूत बनाने के लिए आपके प्रयासों के निमित्त शुभकामनाएं देता हूं।